

होटल में पकड़ी गई 19 साल की खूबसूरत लड़की पूछताछ में’ पुलिस के उड़े होश 4 साल पहले किया

(यंग भारत न्यूज)
राजस्थान के सिरोही जिले में पुलिस की जांच के दौरान एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने अधिकारियों को भी चौंका दिया. माउंट आबू के एक होटल में रह रही 19 वर्षीय युवती को पुलिस ने दस्तायाब किया है. शुरुआती पूछताछ में पुलिस के मुताबिक, युवती ने करीब चार साल पहले बिना वैध दस्तावेज भारत में प्रवेश करने की बात बताई है. पुलिस को उसके पास से बांग्लादेश का पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र भी मिला है. अब एजेंसियां उसके भारत आने के रास्ते, यहां रहने और स्थानीय संपर्कों से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही हैं. यह कार्रवाई राजस्थान में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई. पुलिस की मांनें तो, इस अभियान की निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर की जा रही हैं. पुलिस के मुताबिक माउंट आबू थाना पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि एक होटल में एक संदिग्ध विदेशी युवती ठहरी हुई है. सूचना की



पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने होटल कासिबा में कार्रवाई की और वहां से युवती को दस्तायाब कर लिया. पुलिस ने उसकी पहचान शीला अख्तर उर्फ उमा इस्लाम के रूप में बताई है. शुरुआती पूछताछ में उसने खुद को बांग्लादेश के बांगुना जिले का निवासी बताया पुलिस के अनुसार, युवती से पूछताछ के दौरान सामने आया कि वह करीब चार वर्ष पहले बिना वैध दस्तावेज के भारत में दाखिल हुई थी. हालांकि, पुलिस अब उसके इस दावे और भारत में प्रवेश से जुड़े सभी

तथ्यों का सत्यापन कर रही है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि युवती भारत में किस रास्ते से आई, इतने समय के दौरान कहाँ-कहाँ रही और किन लोगों के संपर्क में थी. पुलिस के मुताबिक, युवती के पास से बांग्लादेश का पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र बरामद हुआ है. इन दस्तावेजों की जांच कर उसकी पहचान और नागरिकता से संबंधित जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है. पूछताछ के बाद युवती को सिरोही स्थित सखी सेंटर भेजा गया. पुलिस ने

आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों से संपर्क किया है. पुलिस के अनुसार, मामले में सीमा सुरक्षा बल, गृह विभाग और पश्चिम बंगाल की संबंधित खुफिया एजेंसियों से भी समन्वय किया जा रहा है. युवती को उसके देश वापस भेजने की प्रक्रिया नियमानुसार आगे बढ़ाई जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि दस्तावेजों और अन्य तथ्यों के सत्यापन के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी. पुलिस के मुताबिक सिरोही जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के अभियान के दौरान इससे पहले भी कार्रवाई हो चुकी है. पुलिस का दावा है कि जिले में तीन अन्य बांग्लादेशी महिलाओं को भी दस्तायाब किया गया था और उनके खिलाफ निष्कासन की प्रक्रिया पूरी की गई. फिलहाल पुलिस होटल, फ़िराए के मकानों और अन्य संभावित स्थानों पर सत्यापन और निगरानी बढ़ा रही है. इस मामले में युवती के भारत आने से लेकर यहां रहने तक की परिस्थितियों की जांच जारी है.

पति आधी रात को घर पहुंचा तो बेडरूम में पत्नी को प्रेमी के साथ देख लिया, अगले ही पल जो हुआ उसने पूरे परिवार को हिला दिया

(यंग भारत न्यूज)
पत्नी लुडो खेल रही थी प्रेमी के साथ बेडरूम में पति ने पकड़ लिया फिर पत्नी और प्रेमी दोनों ने मिलकर निपटा दिया। रमाशंकर मिश्रा उम्र लगभग 40 वर्ष। पत्नी प्रियंका मिश्रा उम्र लगभग 37 वर्ष। दो बेटियों के साथ बीना कॉलोनी में रहते थे। रमाशंकर मिश्रा हठ्ठर की बीना परियोजना, सोनभद्र, उत्तर प्रदेश में काम करते थे। मिश्रा जी भोले भाले व्यक्ति थे, पत्नी के भरोसेदो बेटियों को छोड़कर ड्यूटी चले जाते थे। लेकिन मिश्रा जी नहीं समझ पाए उनकी फटफटिया बीबी निहुरम निहूरा हैवी डोज विथ पैर फ्लेवर गेम की आदी है। इधर प्रियंका के विकास चौहान से नैना भिड़ गए मोहतरमा ने उसको घर लिया कमरे में जाकर ब्लैक कॉफी की चुसकियां लेने लगी।उसके बाद निहुरम निहूरा गेम शुरू हो गया बच्चों को डिस्टर्ब न हो नौंद की दवा खिला देती थी। यह गेम काफी दिनों तक बढ़िया



चला मिश्रा जी 22 अगस्त की आधी रात को घर पहुंचेदरवाजा खटखटाया लेकिन गेट नहीं खोला फिर गाड़ी से फ्लैट की एक्स्ट्रा चाबी निकालकर गेट खोला, और अंदर प्रवेश कर गए। मिश्रा जी की नजर किचन की तरफ गई,देखा मोहतरमा टपोरी के साथ निहुरम निहूरा गेम बहुत स्पीड से खेल रही हैं।मिश्रा जी देखकर हैरान हो गए,टपोरी के साथ हाथापाई करने लगे अब मिश्रा जी की फटफटिया बीबी ने सोचाजब पकड़ ही गए हैं, इनको निपटा

देते हैं।कुकर उठाकर सर में वार दियामिश्रा जी की लौला समाप्त हो गई।अब टपोरी ने शव को ठिकाने लगाने के लिएअपने दो मित्रों को फटफटिया के साथएक रात के लिए निहुरम निहूरा फुल स्पीड के साथ ऑफर दिया।टपोरी ने मित्रों के साथ मिलकर शव कोसड़क किनारे फेंक दिया, राहगीरों ने पुलिस कोसूचना दी, पुलिस ने शव को बरामद गए,टपोरी के साथ हाथापाई करने लगे अब मिश्रा जी की फटफटिया बीबी ने सोचाजब पकड़ ही गए हैं, इनको निपटा

जी के माता-पिता से पुलिस ने पूछातुम्हारा किसी से कोई विवाद तो नहीं है।जवाब मिला नहीं सर मेरा किसी से कोई विवाद नहीं है उसका पत्नी के साथ जरूर विवाद होता रहता था। पुलिस को यहीं पर शक हो गया उसकी कॉल डिटेल् चेक की, एक नंबर पर कई बार बात होने का सबूत पुलिस को मिल गया।मेरे प्रेमी का नाम विकास चौहान है, पुलिस ने उसका नंबर ट्रैक कर उसको गिरफ्तार कर लिया उसनेदो नाम और बताएं, अनुराग सिंह, सोनू गुप्ता मिश्रा जी की सैलरी लगभग 1.5 लाख थी एक करोड़ रुपए बैंक बैलेंस था फटफटिया उसी पैसे से आयसी कर रही थी।पुलिस ने चारों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।यह मामला शक्तिनगर थाना क्षेत्र की बीना कॉलोनी जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश का है।सोचता हूं इस गोले पर राजा महाराजाओं की हस्तियां मित गई, लेकिन गोला पर कोई फर्क नहीं पड़ा...

25 लाख लेने आए तो हाथ लगे नकली नोट! मुंबई पुलिस के जाल में फंसे छोटा राजन के नाम पर रंगदारी मांगने वाले आरोपी

(यंग भारत न्यूज)
बांद्रा इलाके में रियल एस्टेट डेवलपर से कथित तौर पर 11 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने और पहली किस्त के तौर पर 25 लाख रुपए वसूलने पहुंचे पांच आरोपियों को मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि रंगदारी की इस मांग को दबाव बनाने के लिए छोटा राजन गैंग के नाम से धमकी दी गई थी। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान एथेल स्टीवन, डेनियल स्टीवन, नसीर अब्दुल शेख, अब्दुला खान, रेमी खेस्टी फर्नांडिस (छोटा राजन गिरोह का सदस्य) के रूप में हुई है। गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया जहां कोर्ट ने 5 सितम्बर तक पुलिस कस्टडी मे भेज दिया पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य कथित आरोपियों की तलाश कर रही है, साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपियों का वास्तव में किसी अंडरवर्ल्ड नेटवर्क से संबंध है या छोटा राजन गैंग का नाम महज डर पैदा करने के लिए इस्तेमाल किया गया। पुलिस के मुताबिक मामला बांद्रा पश्चिम स्थित एक पुनर्विकास परियोजना से जुड़ा है। यह संपत्ति आर्कडायोसिस ऑफ बॉम्बे ट्रस्ट की बताई जा रही है। दिलज पेपर्टी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ने जून 2026 में इस प्रोजेक्ट के लिए रजिस्टर्ड एग्रीमेंट किया था। जर्जर इमारत को गिराए जाने के बाद डेनियल, एथेल और उनके कथित साथियों ने निर्माण कार्य का विरोध शुरू किया और डेवलपर से पैसे की मांग करने लगे। पुलिस का आरोप है कि समय के साथ यह मांग बढ़ती गई और बाद में आरोपियों ने राजलक्ष्मी कंपनी से जुड़े कुछ लोगों तथा अन्य कथित सहयोगियों के साथ मिलकर कई करोड़ रुपए की मांग शुरू कर दी। छोटा राजन गैंग का नाम लेकर धमकी...मामला उस समय गंभीर हो गया जब कथित तौर पर धमकी देने के लिए छोटा राजन गैंग का नाम इस्तेमाल किया गया। पुलिस के अनुसार 26 जून को करीब 10 से 15 लोग दो वाहनों में सवार होकर पुनर्विकास स्थल पर पहुंचे। इनमें से कुछ के पास हथियार होने का भी आरोप है। इन लोगों ने साइट सुपरवाइजर जाहिद शेख और सुरक्षा कर्मचारियों को कथित तौर पर धमकाया और निर्माण कार्य बंद करने के लिए कहा। आरोप है कि डेवलपर को चेतावनी दी गई कि यदि पैसे नहीं दिए गए तो कंपनी के मालिकों को झूठे आपराधिक मामलों में फंसाया जाएगा। इनमें कथित तौर पर यौन अपराधों से जुड़े झूठे मामले दर्ज कराने और शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी गई। पुलिस के मुताबिक बातचीत और दबाव के बाद कथित रंगदारी की रकम को घटाकर 11 करोड़ रुपए किया गया। इसके बाद पहली किस्त के रूप में 25 लाख रुपए देने की बात तय हुई। यह रकम 1 सितंबर को बांद्रा पश्चिम स्थित नमदार हाउस, हिल रोड के एक कार्यालय में देने की योजना थी। इसी दौरान डेवलपर ने एंटी-एक्सटॉर्शन सेल से संपर्क किया। डेवलपर की शिकायत के बाद एईसी ने जाल बिछाया। अधिकारी अरुण थोराट के नेतृत्व में टीम ने ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया। पुलिस ने असली 25 लाख रुपए देने के बजाय बैंक में 500 रुपए के नोटों की 50 गड्डियां रखीं, जिन पर चिलड्रन्स बैंक ऑफ इंडिया लिखा हुआ था। हालांकि गड्डियों को पहली नजर में असली दिखाने के लिए प्रत्येक बंडल के ऊपर और नीचे असली 500 रुपए के नोट लगाए गए थे।



अगर गठबंधन हुआ तो.' यूपी चुनाव से पहले नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने खोले अपने पत्ते

(यंग भारत न्यूज)
प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी बीच आजाद समाज पार्टी (कांशीर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने चुनावी रणनीति और संभावित गठबंधन को लेकर एक बड़ा संकेत दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी जल्द ही आने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपनी सीटों का आधिकारिक ऐलान करेगी। वहीं, किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन के सवाल पर उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर ऐसा कोई भी फैसला

लिया जाता है, तो इसकी जानकारी सार्वजनिक रूप से सबके सामने रखी जाएगी। चंद्रशेखर के इस बयान के सामने आते ही यूपी की सियासत में नए सियासी समीकरणां और गठबंधनों को लेकर चर्चाएं बेहद तेज हो गई हैं। चंद्रशेखर आजाद ने चुनावी तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि उनकी पार्टी ने यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर जमीनी स्तर पर काम शुरू कर दिया है। पार्टी की ओर से अभी तक 45 विधानसभा सीटों पर प्रभारियों की नियुक्ति की जा चुकी है और आने वाले दिनों में कुछ और प्रभारियों के नामों का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिए कि पार्टी बहुत

जल्द चुनाव के लिए अपनी सीटों की स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट कर देगी। गठबंधन के मुद्दे पर चंद्रशेखर ने फिलहाल किसी खास पार्टी का नाम लेने से परहेज किया और कहा कि यदि किसी दल के साथ चुनावी समझौता तय होता है, तो उसकी जानकारी लोगों को दे दी जाएगी। उनके इस बयान से अभी यह संस्पेंस बरकरार है कि आजाद समाज पार्टी अकेले दम पर चुनावी मैदान में उतरेगी या फिर किसी बड़े राजनीतिक गठबंधन का हिस्सा बनेगी। चंद्रशेखर आजाद ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था का जिक्र करते हुए अंकित बालियान हत्याकांड और उसके बाद हुए आरोपियों के एनकाउंटर पर भी



कई गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि पहले तो अंकित बालियान की दिनदहाड़े हत्या होने दी गई और फिर अंकित बालियान हत्याकांड और उसके बाद हुए आरोपियों के एनकाउंटर पर भी

चंद्रशेखर ने सीधा सवाल दागा कि आखिर अंकित की हत्या होने ही क्यों दी गई और सरकार के पास इस विफलता का क्या जवाब है। उन्होंने यूपी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि वारदात होने के बाद आरोपियों का एनकाउंटर कर देना मूल घटना और सुरक्षा व्यवस्था में चूक का सही जवाब नहीं हो सकता। गोरखपुर की मौजूदा स्थिति को लेकर चंद्रशेखर आजाद ने

स्थानीय भाजपा सांसद और अभिनेता रवि किशन पर भी जमकर निशाना साधा। शहर में फैली गंदगी, जलभराव की समस्या और बढ़ावाल शिक्षा व्यवस्था का जिक्र करते हुए उन्होंने रवि किशन के उस बयान पर करारा तंज कसा जिसमें उन्होंने गोरखपुर की तुलना 'स्पेन' से की थी। चंद्रशेखर ने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि पहले लोग सिर्फ स्पेन का नाम सुनते थे, लेकिन अब गोरखपुर को ही स्पेन बताया जा रहा है। इस तंज के जरिए उन्होंने शहर के विकास को लेकर किए जा रहे तमाम बड़े दावों की पोल खोलने की कोशिश की। इसके साथ ही चंद्रशेखर आजाद ने यूपी की योगी आदित्यनाथ

सरकार पर बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े अहम मुद्दों को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि राज्य में रोजगार न मिलने के कारण प्रदेश का युवा मजबूरन काम की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन कर रहा है। उन्होंने प्रतियोगी भर्ती परीक्षाओं में बार-बार होने वाले पेपर लीक और अपने हक के लिए आवाज उठाने वाले युवाओं पर की जाने वाली पुलिसिया कार्रवाई का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले चंद्रशेखर लगातार जनता के जमीनी मुद्दों को उठाकर अपनी पैठ मजबूत कर रहे हैं, ऐसे में अब सभी की निगाहें उनके अगले सियासी कदम पर टिकी हुई हैं।

उत्तर प्रदेश आई प्रेमिका निकली 4 बच्चों की मां, 24 घंटे भी न चली शादी, अजब प्रेम की गजब कहानी का हैरान करने वाला अंत.

(यंग भारत न्यूज)
प्रदेश के जिले में एक शादी के बाद ऐसा खुलासा हुआ, जिसने दूल्हे और उसके परिवार को हैरान कर दिया। गुजरात के सिलवासा में काम करने के दौरान शुरू हुई प्रेम कहानी शादी तक पहुंची, लेकिन शादी के अगले ही दिन महिला का पहला पति अपने चार बच्चों के साथ वहां पहुंच गया।



इसके बाद महिला अपने पहले परिवार के साथ वापस लौट गई। जरिया थाना क्षेत्र से जुड़े इस मामले में युवक ने गुजरात में साथ काम करने वाली महिला से शादी की थी। शादी के बाद परिवार में खुशी का माहौल था, लेकिन कुछ ही समय बाद महिला के पहले पति और बच्चों के पहुंचने से पूरा मामला बदल गया। जानकारी के मुताबिक, युवक और महिला सिलवासा की एक कंपनी में काम करते थे। साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने साथ रहने का फैसला कर लिया। इसके बाद महिला गुजरात से हमीरपुर पहुंची और युवक से शादी कर ली। युवक के परिवार को यह जानकारी नहीं थी कि महिला पहले से शादीशुदा है और उसके

चार बच्चे हैं। शादी के करीब 24 घंटे बाद महिला का पहला पति अपने चार बच्चों को लेकर सरीला पहुंच गया। बच्चों को देखकर युवक के परिवार को महिला की पहली शादी और उसके बच्चों के बारे में पता चला। बताया जा रहा है कि महिला का पहला पति करीब पांच महीने पहले रोजगार के लिए सिलवासा गया था। उसकी पत्नी भी वहीं मजदूरी करती थी। करते थे। साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और उन्होंने साथ रहने का फैसला कर लिया। इसके बाद महिला गुजरात से हमीरपुर पहुंची और युवक से शादी कर ली। युवक के परिवार को यह जानकारी नहीं थी कि महिला पहले से शादीशुदा है और उसके

महिला अपने पहले पति और चारों बच्चों के साथ मिर्जापुर लौट गई। जिस युवक से उसने एक दिन पहले शादी की थी, उसके साथ उसका रिश्ता महज 24 घंटे में खत्म हो गया। महिला के पहले पति के मुताबिक, उसकी शादी करीब 20 साल पहले हुई थी और उनके चार बच्चे हैं। वह काम के सिलसिले में सिलवासा गया था। एक रात ड्यूटी से लौटने पर बच्चों ने बताया कि उनकी मां घर पर नहीं है। काफी तलाश के बाद उसे जानकारी मिली कि महिला ने दूसरे युवक से शादी कर ली है। इसके बाद वह बच्चों को साथ लेकर सरीला पहुंचा। स्थानीय पुलिस के अनुसार, मामले में किसी भी पक्ष ने औपचारिक शिकायत नहीं दी।

वो चोर नहीं, मेरा प्यार है... जेवर मैंने दिए थे; जेल गए प्रेमी के बचाव में उतरी प्रेमिका

यूपी के उरई से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां 26 अगस्त की रात घर से सोने-चांदी के जेवरत और नकदी चोरी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर गांव के ही एक युवक को माल समेत गिरफ्तार कर जेल भेजा था।



इस मामले में मंगलवार को नया मोड़ तब आया, जब पीड़ित परिवार की बेटी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया। एक मिनट 32 सेकंड के इस वीडियो में बेटी बोल रही है, 'पकड़ा गया युवक रोहित मेरा प्रेमी है। मैंने उसे गहने दिए थे, उसे छुड़वा दो।' हालांकि लाइव हिंदुस्तान वायरल वीडियो को स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। ये मामला कोतवाली क्षेत्र का है। वायरल वीडियो में बेटी ने दावा किया कि उसका गांव के ही युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जनवरी में उसके पिता ने उसके पास मोबाइल पकड़ लिया था। इसके बाद मारपीट की गई। इसपर उसने खुद ही जेवरत अपने प्रेमी के घर रख दिए थे। बेटी ने आरोप लगाया कि पिता ने प्रेमी को फंसाने के

लिए उस पर चोरी का झूठा मुकदमा दर्ज कराया और खुद ही उसके घर जाकर उसे पकड़वा दिया। अब पिता उसकी और उसके प्रेमी की हत्या कराना चाहते हैं। बेटी में उसके पिता ने उसके पास मोबाइल पकड़ लिया था। इसके बाद मारपीट की गई। इसपर उसने खुद ही जेवरत अपने प्रेमी के घर रख दिए थे। बेटी ने आरोप लगाया कि पिता ने प्रेमी को फंसाने के

उधर, गोरखपुर के पीपीगंज में 9 महीने की बच्ची के गले पर चाकू रखकर पांच लाख रुपये के जेवर लूटने की सूचना पुलिस की जांच में झूठी निकली। फॉरेंसिक टीम की पड़ताल में घर में जबरन घुसने के कोई साक्ष्य नहीं मिले। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में भी घटना के समय किसी व्यक्ति के आने-जाने की पुष्टि नहीं हुई। कड़ाई से पूछताछ में महिला ने पति के डर से लूट की गलत सूचना देने की बात स्वीकार की। पुलिस ने महिला के घर की तलाशी ली तो सभी जेवर वहीं से बरामद हो गए। पुलिस के अनुसार, मंगलवार भोर में क्षेत्र की एक महिला ने 112 नंबर पर सूचना दी थी कि चार लोग उनके घर में घुस आए और सोने-चांदी के जेवरत चोरी कर ले गए हैं। सूचना मिलते ही पीपीगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घर और घटनास्थल की जांच की, लेकिन कहीं भी जबरन प्रवेश किए जाने के निशान नहीं मिले।

प्रेमिका के किए 18 टुकड़े, हाथ, पैर और पसलियों को पकाया. 22 साल के प्रेमी ने 38 साल की गर्लफ्रेंड को दी दर्दनाक मौत?

(यंग भारत न्यूज)
उत्तर प्रदेश में आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर पांच अगस्त को तमिलनाडु एक्सप्रेस के जनरल कोच में लाल रंग के ट्रॉली बैग में एक महिला का शव मिला था. मृतका की पहचान ओडिशा की रहने वाली 38 वर्षीय हयातुन निशा के रूप में की गई थी. अब इस हत्या के मामले को सुलझा लिया गया है. इस मामले में 22 साल के मणिकउद्दीन लश्कर नाम के व्यक्ति और भगवती मांझी नाम की महिला को मणिपुर से गिरफ्तार किया गया है. जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी पतिपत्नी हैं. मृतक महिला मणिकउद्दीन लश्कर की प्रेमिका बताई जा रही है. जांच में पता चला है कि शव को बैग में रखकर तमिलनाडु एक्सप्रेस के जरिए आगरा भेजा गया था. पांच अगस्त को जब तमिलनाडु एक्सप्रेस आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पहुंची तो यात्रियों को एक लाल रंग के ट्रॉली बैग से खून रिसता नजर आया. फिर इसकी सूचना रेलवे प्रशासन और जीआरपी को दी गई. सूचना मिलने पर रेलवे प्रशासन, जीआरपी और आरपीएफ मौके पर पहुंची. इसके बाद बैग खोला गया तो उसमें महिला के शव के करीब 18 टुकड़े मिले, जोकि पॉलीथिन में पैक किए गए थे. इसके बाज जीआरपी ने मामले की जांच शुरू की. ट्रेन के रूट में आने वाले स्टेशनों से संपर्क साधा गया और बैग के स्रोत का पता लगाने की कोशिश शुरू की गई.जांच के दौरान पुलिस ट्रॉली बैग चेन्नई रेलवे स्टेशन से तमिलनाडु एक्सप्रेस में रखे जाने की बात पता चली. इसके बाद चेन्नई सेंट्रल स्टेशन की करीब 350 सीसीटीवी की फुटेज खंगाली गई. फुटेज में दो आरोपी ट्रॉली बैग को ट्रेन में रखते नजर आए. इसके बाद दोनों आरोपी चेन्नई से मणिपुर चले गए. जांच में पता चला है कि हयातुन निशा और मणिकउद्दीन के बीच प्रेम संबंध थे. मणिकउद्दीन अपनी पत्नी और हयातुन दोनों के साथ रह रहा था. किसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ, जिसके बाद हयातुन निशा की हत्या की साजिश रची गई. मणिकउद्दीन पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया. फिर शव को अलगअलग हिस्सों में कर कुछ हिस्से ट्रॉली बैग में रखे और उन्हें ट्रेन के जरिए आगरा भेज दिया.मृतका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में चौंका देने वाली बातें सामने आई हैं. मृतका की हाथ, पैर और पसलियों को सब्जी और आटे के साथ पकाया गया. महिला के शव को कटर से काटा गया. फिर उसके छोटेछोटे टुकड़े किए गए. इसके बाद टुकड़ों को बैग में भरा गया. आगरा कैंट जीआरपी ने मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था. फिर चेन्नई पुलिस को जांच ट्रंसफर कर दी गई.



गड संरक्षण के सन्देश म लउठी लागना



गड संरक्षण बर प्रचलित लोक विधान अभी पला ग्रामीण जीवन म चलत है। जाने अनजाने जब कोनो मनखे के लउठी के बार ले कोनो खब मर जाये तब येला लउठी लागना कहे जाये। जेकर हाथ से ए अपराध हो जाये तब सब ले पहिली कोहा अपन घर, परिवार अउ समाज के स्थान ल अपन अपराध बताये। काबर कि गड हत्या ल ब्रम्ह हत्या के समान माने गेह। कहे जाये जउन ह गड हत्या करके ये पाप ल खुका के राखथे, कोनो ल नै बताय चोकर आत्मा ह बोला घिनवारात रहिये। खाब फिर के जिनिस ह घलो बोला खुन बरोबर लाल दिखये। अन्य पानी नी खुदावया दिन के चैन अउ रतिला के नींद उड़ा जथो। तिहि पाप के गड हत्या के अपराधी मनखे अपन अपराध ल तुरंत सिखान मन ल बताये।

सिखान मन के बताय मुताबिक अइसन मनखे ह इक्कीस गांव म भीख मांगथे अउ संझ अपन गांव के बाहर कोनो बर पीपर पेड़ के छड़ा म रात बसर करथे। अपन घर नो आया। बर पीपर ल हमर संस्कृति म देवता माने गेह। मान्यता है कि बर म बरम देव अउ पीपर म वासुदेव के निवास होये। तेकर सेती ए पेड़ के लकड़ी ल नी जलाया। अइसन विधान हमर सिखान मन बनाय है। कतको मन बानबंद या अउ मान्यता खले जगाम म जाके मुक्ति पाय बर जरूरी उद्दिम करथे।



लोक नाट्य प्रो. अश्विनी केशरवानी

लोक नाट्य के कारण छत्तीसगढ़ का वृद्धावन करलाया शिवरी नारायण



रायगढ़ के राजा भूपदेव सिंह के शासन काल में नगर दोगा ठाकुर रामचरण सिंह जत्रा से प्रभावित रास के निष्ठात करनकर थे। उन्होंने इस क्षेत्र में रामलीला और रासलीला के विकास के लिए अविस्मरणीय प्रयास किया। गौड़, मलदा, नरियारा और अकलतरा रासलीला के लिए और शिवरीनारायण, किकिरदा, रतनपुर, सारंगढ़ और कवर्धा रासलीला के लिए प्रसिद्ध थे। नरियारा के रासलीला को इतनी प्रसिद्धि मिली कि उसे 'छत्तीसगढ़ का वृद्धावन' कहा जाने लगा। ठाकुर छेदलाल बैरिस्टर, उनके बहनोई कोसिर सिंह और भांजा विशवसकर सिंह ने नरियारा और अकलतरा के रासलीला और रामलीला के लिए अथक प्रयास किए। उस काल में जंजगीर क्षेत्रान्तर्गत अनेक गम्मतहार सुरामिन दास, धरमलाल, लक्ष्मण दास धिकरहा को नाचा पार्टी में रास का यथेष्ट प्रभाव देखने को मिलता था। उस समय दादू सिंह गौड़ और ननकर रहस मंडली, रानी गांव रासलीला के लिए प्रसिद्ध था। शिवरी नारायण का अभिनव संसार केवल छत्तीसगढ़ में ही नहीं बरन देश के कोने कोने में प्रसिद्ध था। हालाँकि हर गांव में नाचा गम्मत, रासलीला और रामलीला पार्टी होती थी, लेकिन यहां की मंडलियों की बात ही कुछ और थी।



छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में आठे कन्हैया के प्रति आस्था अस्था है। भादो की गहन अंधेरी रात में जब वृजवासिध के जीवन में अंधेरा था, तब उन्हें शासक वर्ग द्वारा यातनाएं दी जाती थी, बंकाजह टपंडित किया जाता था। सर्वत्र अज्ञात और अत्याचार का कोलबाला था, ऐसे वातावरण में श्रीकृष्ण का लोकोदय एक प्रकाशपुंज की भांति हुआ। बच्चे-बूढ़े, स्त्री-पुरुष सभी इस दिन उपवास रख कर आठे कन्हैया (भित्ति चित्र) की पूजा करते हैं। आठे कन्हैया यानि जन्माष्टमी भादो महर्ने के अष्टमी कृष्ण पक्ष को मनाई जाती है। श्रीकृष्ण देवकी के गर्भ से जन्म लेने वाले आठवीं संतान थे, और उनका लोक आकर्षण भी अष्टमी को हुआ। लोक को इन दोनों कारणों ने प्रभावित किया। इसलिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को छत्तीसगढ़ के लोक मानस ने आठे कन्हैया के रूप में स्वीकार किया। आठे कन्हैया घर में सुलभ संसाधन जैसे चूड़ी रंग, स्याही, सोमी, धेरा या तगई पत्ते के कच्चे रंग से बने चित्र होते हैं। यह चित्र आठ की संख्या में होते हैं और श्रीकृष्ण जन्म के प्रतीक हैं।

अंचल में धूमधाम से मनाया जाता है कृष्ण जन्माष्टमी पर्व

छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण अंचल में कृष्ण जन्माष्टमी को आठे कन्हैया व्रत भी कहा जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी को छत्तीसगढ़ में लोकपर्व के रूप में सामुदायिक रूप से मनाया जाता है। यह त्यौहार मुख्यतः जांजगीर चांपा जिले, राजनांदगांव के डोंगरगढ़, कबीरधाम जिला के कवर्धा और महासमुंद जिले के अलावा मैदानी भागों में धूमधाम से मनाया जाता है। इस व्रत को स्त्री-पुरुष व बच्चे सभी करते हैं। यह व्रत भादो माह के कृष्ण पक्ष के अष्टमी के दिन किया जाता है।

पूर्व समय में छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में कृष्ण जन्माष्टमी के दिन लोग धरती की दीवार पर आठ बालचित्र, देवको के आठो संतान का तथा सांप, बिच्छू, नग को कृष्णजी के प्राणरक्षक के रूप में दर्शाया जाता था। वासुदेवजी ने कृष्ण के जन्म पश्चात कृष्ण को सुप में रखकर बम्ना नदी पार कर गोकुल पहुंचाए थे। इसी लोकभावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में शिशु जन्म के पश्चात शिशु को धान भरे सुप में सुलाया जाता है। इतनी आस्था व लोकविश्वास से प्रेरित होकर पूर्व समय में बालाचित्रों का चित्रकन घर की दीवारों में किया जाता था। वर्तमान समय में महासमुंद जिले में जन्माष्टमी का त्यौहार बहुत धूमधाम से सभी जाति के लोग मिलकर समुदायिक रूप से राम मंदिर व राधाकृष्ण के मंदिर में मनाते हैं। वहीं सवन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी को राधाकृष्ण मंदिर में सावन झूल बंधकर कृष्णजी के वात प्रतिमा स्थापित कर प्रातिदिन संज्ञा आरती की जाती है। यह सावन झूला जन्माष्टमी



तक बंधा होता है, और जन्माष्टमी की रात्रि में गांव के सभी जाति के लोग एकत्रित होकर रात्रि 12:00 बजे तक भजन, कीर्तन कृष्ण जी राम जी की स्तुति, खोहर गीत, बधाई गीत गाते हैं तथा बहरी-बारी से कृष्ण जी को झूला झुलाकर पूजन करते हैं। कृष्ण जन्म के

समय मंदिर का मुख्य पट खुलता है व घंटी, शंख, ध्वनि, करतल के साथ अरती की जाती है। मटकी फोड़, ठी लूट, गुलाल - अंबरी को होली खेली जाती है। कृष्ण जन्माष्टमी में धनिया की पंजरी, डेवारी लड्डू, राजगीरा का लड्डू, बैचोदी, सिधड़े की कातरा, फल,

मेवा खीर, सिधाड़ा, माखन, मिश्री का भोग लगाकर प्रसन्न हितरित किया जाता है। इस प्रकार छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में कृष्ण जन्माष्टमी सामुदायिक रूप से गांव में एकत्रित होकर भजन-पूजन के साथ मनाया जाता है।

लोक गीत : डा. सुधीर पठक

भादो माह में गाया जाता है ठढ़िया करमा गीत



भादो माह में सपुजा अंचल में एकादशी तिथि को करमा नृत्य गीत गाया जाता है। प्रस्तुति के समय गांव के शिष्टाचार (रसिया) युवक युवतियाँ एकत्रित होते हैं, साथ में सचेत भी किया जाता है कि जिस स्थान पर नृत्य के लिए एकत्रित हो रहे हैं उस स्थान पर बरसात के कारण कोई जे नहीं जमा है। साथ ही कहा जात है ऐसे स्थान का चयन करो जहां नाच और गान के लिए स्थान उपयुक्त हो। इस तरह सबसे स्थल चयन कर नाच-गान आरम्भ किया जाता है - ओह रे... ए... रे... रिझेली में तोरे लोभे... खेले ले आरन... रिझेली गे... तोरे लोभे... भादो के महीना एकादशी दिना में... फनी बरिस ले... अंगना में कोई बड़त गिस... अंगना में बिजली मति गिरवे... धोरे रसा खेलवे... अंगन बिजली मति गिरवे... फूटी जहि मांदरी... टूटी जहि टंगना... के ते रीपया मे मांदर येसप लेबे... के ते रीपया म टंगना... फुट जाहि मांदर... टूट जाहि टंगना... संगबारी ले पिरितिया जोड़ लेबे...।

साहित्य और संस्कृति के मर्मज्ञ थे प. गंगा प्रसाद द्विवेदी



पुरे जिले के धमघाट रोड के ग्राम मेहेसरा में गंगा प्रसाद द्विवेदी का जन्म हुआ था। अपने ज्ञान, मधुर स्वर और संगीतमय प्रस्तुति के कारण वे अंचल भर में कुछ वर्षों में ही प्रवचनकर्ता के रूप में प्रसिद्ध हो गए। आप प्रखर गांधीवादी व प्रख्यात भागवताचार्य थे। आपने संस्कृत शास्त्र का संचालन किया। आपने लौला मंडली का संचालन कर अनेक शिष्य बनाए, जे काफी समय तक अपनी घरम्परा को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देते रहे। छोटे छोटे गांव में आपकी

लौला मंडली की प्रस्तुति होती थी। इसके साथ ही आम सुधार, मख नित्येध, मेल मिलान पर केंद्रित उनके नाटकों की बड़ी धूम रही। उन्होंने गांधीवादी दर्शन को नाटकों के माध्यम से प्रचारित किया। अंचल में सांस्कृतिक उत्थान के इतिहास में आपके योगदान को आज भी रेखांकित किया जाता है। साहित्य और भागवताचार्य के रूप में आपके सुपुत्र प. दानेश्वर शर्मा ने भी प्रदेश भर में अपनी पहचान बनाई, वे छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष भी बने।

गांव की कहानी : पूरुष सिंह सिद्धा

यह गढ़ भंवरगढ़ के नाम से प्रसिद्ध था। पूर्व में फुलझार राज्य में सुव्यवस्थित संचालन के लिए कई गढ़ का निर्माण किया गया था। इन गढ़ों में भंवरगढ़ का महत्वपूर्ण स्थान था। राजवंश ने इसका निर्माण शासन व्यवस्था में सैनिक संतुलन बनाए रखने के लिए किया था। अन्य गढ़ों की अपेक्षा इसकी खाईयां पूर्व में बहुत गहराई लिए हुई थी।

महत्वपूर्ण गढ़ रहा भंवरगढ़

वर्तमान सराईखली से लगभग 15 कि मी पश्चिम की ओर भंवरगढ़ नामक एक बड़ा क़स्बा है। इस कस्बा में एक बहुत बड़ा प्राचीन मेखनी गढ़ है, जिसे पूर्व में बैना राजाओं ने निर्माण किया था। यह गढ़ भंवरगढ़ के नाम से प्रसिद्ध था। पूर्व में फुलझार राज्य में सुव्यवस्थित संचालन के लिए कई गढ़ का निर्माण किया गया था। इन गढ़ों में भंवरगढ़ का महत्वपूर्ण स्थान था। राजवंश ने इसका निर्माण शासन व्यवस्था में सैनिक संतुलन बनाए रखने के लिए किया था। अन्य गढ़ों की अपेक्षा इसकी खाईयां पूर्व में बहुत गहराई लिए हुई थी। शत्रुओं को इस गढ़ी खाईयों को पार करना अत्यंत कठिन रहा होगा। प्रतीत होता है कि इस गढ़ के चतुर्दिग तालाब के समान गहरी खाईयां थी। गढ़ का प्रवेश द्वार पूर्व दिशा की ओर



था। चारों ओर रक्षिका देवी की स्थापना की गई थी। इस गढ़ के उत्तर पूर्व में राजमहल एवं भूमिगत निवास था। इटो एवं पथरी की क्षेत्र उपस्थिति से आभास होता है कि

गढ़ के ऊपर राज निवास था। बरेकेल अभिलेख में इस प्रकार का उल्लेख देखने को मिलता है। राज भंवर चंद प्रायः तलवार में ही निवास करते थे। अंतिम राजा

भंवर चंद बैना को गौड़ सरदार जैतसिंह ने मार कर तथा उसके सिर को काटकर और तत्कालीन राजधानी जगदला ले जाकर राजा बोधा साथ के पस भेंट किया।

आईजी आकाश कुलहरि के नेतृत्व में झांसी रेंज की फिर बड़ी उपलब्धि, आईजीआरएस निस्तारण में लगातार 8वीं बार प्रदेश में नंबर-1

शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में झांसी रेंज ने कायम रखा दबदबा

- झांसी और जालौन ने लगातार आठवीं बार हासिल किया प्रदेश में प्रथम स्थान
- ललितपुर ने तीसरी बार नंबर-1 रैंक हासिल कर बढ़ाया रेंज का गौरव
- समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण शिकायत निस्तारण से आमजन को मिल रहा त्वरित समाधान

(यंग भारत न्यूज) झांसी/ उरई जनशिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के मामले में झांसी रेंज ने एक बार फिर प्रदेश में अपनी श्रेष्ठता साबित की है। पुलिस महानिरीक्षक झांसी रेंज आकाश कुलहरि के निर्देशन में आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में झांसी रेंज ने लगातार आठवीं बार प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। रेंज की इस



उपलब्धि से पुलिस विभाग में खुशी का माहौल है। आईजीआरएस यानी इंटीग्रेटेड ग्रीवांस रिड्रेसल सिस्टम के माध्यम से आमजन अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कराते हैं। इन शिकायतों के निस्तारण में समयबद्धता, कार्रवाई की गुणवत्ता और शिकायतकर्ता की संतुष्टि सहित विभिन्न मानकों के आधार पर रैंकिंग निर्धारित की जाती है। झांसी रेंज ने इन सभी मानकों पर

बेहतर प्रदर्शन करते हुए लगातार आठवीं बार प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। रेंज के झांसी और जालौन जनपदों ने भी लगातार आठवीं बार प्रथम स्थान हासिल कर अपनी कार्यप्रणाली की मजबूती का परिचय दिया है। वहीं ललितपुर जनपद ने तीसरी बार नंबर-1 रैंक हासिल कर झांसी रेंज की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के

निस्तारण को लेकर लगातार निगरानी और समीक्षा की जा रही है। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिकायतों का समय से निस्तारण करने के साथ ही शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाते हैं। महज कागजी कार्रवाई के बजाय शिकायतों की जांच कर गुणवत्तापूर्ण समाधान पर विशेष जोर दिया जा रहा है। द्रुत आकाश कुलहरि के नेतृत्व और दिशा-निर्देशन में मिली इस उपलब्धि को रेंज पुलिस की जवाबदेही और जनसुनवाई व्यवस्था की प्रभावशीलता का परिणाम माना जा रहा है। लगातार आठवीं बार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि आमजन की शिकायतों को प्राथमिकता देते हुए उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। झांसी रेंज की इस उपलब्धि से पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में उत्साह है। अधिकारियों ने आगे भी इसी तरह पारदर्शी, संवेदनशील और समयबद्ध तरीके से जनशिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

झाँसी-उरई रेल खंड का मंडल रेल प्रबंधक ने किया गहन निरीक्षण

-संरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन एवं यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने पर जोर

(यंग भारत न्यूज) उरई। मंडल रेल प्रबंधक, झाँसी अनिरुद्ध कुमार ने बुधवार को परख यान से झाँसी-उरई रेल खंड का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलपथ, ओएचई, सिग्नलिंग, समपार फाटकों सहित विभिन्न रेल परिसंपत्तियों की स्थिति का जायजा लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।



उरई रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान श्रद्धा रुम, स्स्थ/ञ्जन्न डियो, प्रतीक्षालय, आरपीएफ एवं जीआरपी कार्यालय सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। साथ ही स्टेशन परिसर में जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करते हुए यात्री सुविधाओं एवं स्टेशन की समग्र व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संरक्षा एवं परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसके पश्चात एट स्टेशन का भी निरीक्षण किया गया। यहाँ यात्री सुविधाओं, स्टेशन परिसर की व्यवस्थाओं एवं रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। मंडल रेल प्रबंधक ने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा स्टेशन की व्यवस्थाओं को

सुव्यवस्थित एवं बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडल रेल प्रबंधक द्वारा किमी 1217/15-17 पर रेल ट्रेक एवं पॉइंट का विशेष रूप से गहन निरीक्षण किया गया। इस दौरान रेल जॉइंट एवं वेल्डिंग, स्लीपर फिटिंग, गेज-अलाइनमेंट, बैलस्टा पैकिंग तथा पॉइंट मशीन, स्विच रेल, क्रासिंग, लॉकिंग एवं डिटेक्शन आदि की स्थिति को बारीकी से परखा गया। मंडल रेल प्रबंधक ने

अधिकारियों को रेल पथ एवं पॉइंट की अनुरक्षण व्यवस्था में उच्चतम संरक्षा मानकों को बनाए रखने तथा किसी भी कमी को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत मंडल रेल प्रबंधक ने समपार फाटक संख्या 159-ष्ट/3ध का निरीक्षण कर ड्यूटी पर तैनात गेटमैन वरुण कुमार पांडे से संरक्षा संबंधी संवाद किया। उनके संतोषजनक ज्ञान एवं सजग कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए उत्कृष्ट कार्य के प्रोत्साहन हेतु 22,000 के पुरस्कार की घोषणा की गई। मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि सुरक्षित रेल संचालन के लिए रेल परिसंपत्तियों का नियमित निरीक्षण एवं अनुरक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संरक्षा के प्रति सदैव सजग रहते हुए निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अमन वर्मा, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री गिरीश कंचन, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर सामान्य श्री अशोक प्रिय गौतम, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर सेंट्रल, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक सीमा तिवारी समेत अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

रंजिश के चलते दो लोगों ने युवक के साथ गाली, गलौज व मारपीट कर जान से मारने की दी धमकी

(यंग भारत न्यूज) जालौन-उरई। रंजिश के चलते दो लोगों द्वारा एक व्यक्ति के साथ गाली, गलौज व मारपीट कर जान से मारने की धमकी दिए जाने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अमखेडा निवासी अमरचंद ने पुलिस को बताया कि उनके गांव के ही सुरेशचंद्र व दिनेशचंद्र उससे रंजिश मानते हैं। रंजिश के चलते अक्सर विवाद करते रहते हैं। कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन समझने को तैयार नहीं होते हैं। आरोप लगाया कि बीती 31 अगस्त को रास्ते में जाते समय उन्होंने मारपीट कर दी थी। लेकिन ग्रामीणों के समझाने पर वह मान गए। अब वह फिर झगड़ा कर रहे हैं। इतना ही नहीं जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक से मारपीट के मामले में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

(यंग भारत न्यूज) जालौन-उरई। चार दिन पूर्व युवक को बुलाकर उसके साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की शिकायत पंड़ित युवक ने कोतवाली में तहरीर देकर की है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला रावतान सेंगर कॉलोनी निवासी साकेत सेंगर ने पुलिस को बताया कि बीती 30 अगस्त की रात करीब नौ बजे मोहल्ला भवानीराम निवासी अभय तोमर ने जरूरी काम से मिलने के लिए बुलाया। जब वह उसके बताए हुए स्थान पर मिलने के लिए पहुंचा तभी वहां पहले से मौजूद सक्षम व सत्यम ने उसे देखते ही रंगबाजी दिखाते हुए गाली, गलौज शुरू कर दी। जब उसने मना किया तो लाठी, डंडों से मारपीट शुरू कर दी। उसके चिल्लाते पर आसपास के लोग बचाने के लिए आए तो आईदा जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रिटायर्ड शिक्षक का 25,000 रुपयों से भरा हुए बैग अज्ञात चोर ले उड़े

(यंग भारत न्यूज) जालौन-उरई। बैंक से रुपये निकालकर बाजार में खरीदारी करने गए रिटायर्ड शिक्षक का 25,000 रुपयों से भरा हुए बैग अज्ञात चोर ले उड़े। पीड़ित शिक्षक ने कोतवाली पुलिस को मामले की सूचना दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सहाव निवासी अयोध्या प्रसाद शर्मा ने पुलिस को बताया कि बुधवार की दोपहर वह इंडियन बैंक की मुख्य शाखा में रुपये निकालने के लिए आए थे। बैंक से 25,000 रुपये निकालकर उन्होंने रुपये बैग में रख लिए और बाजार में सामान की खरीदारी करने के लिए आ गए। झंडा चौराहे के आगे मेडिकल गली के पास वह एक दुकान पर रुके और कुछ सामान खरीदने लगे। रुपयों का बैग उन्होंने बगल में ही रख लिया। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति उनका बैग लेकर चला गया। सामान खरीदकर जब रुपये देने के लिए उन्होंने बैग को देखा तो बैग गायब था। काफी तलाश करने के बाद भी उसका पता नहीं चला। पीड़ित शिक्षक की सूचना पर पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

घर में घुसकर मारपीट, जेवर-नकदी ले जाने और पत्नी को जबरन साथ ले जाने का आरोप

ललितपुर। थाना मड़ावरा क्षेत्र के ग्राम रनगांव में घर में घुसकर मारपीट करने, सोने-चांदी के आभूषण और नकदी ले जाने तथा पत्नी को जबरन अपने साथ ले जाने का मामला सामने आया है। थाने में सुनवाई न होने का आरोप लगाते हुए उसने न्यायालय की शरण ली। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, महरीनी के आदेश के बाद मड़ावरा पुलिस ने आठ नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना मड़ावरा के ग्राम रनगांव निवासी हरपाल पुत्र रामदास कुशवाहा ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसकी शादी करीब 12-13 वर्ष पूर्व कस्तूरी पुत्री हरदास निवासी ग्राम खटौरा, थाना सौजना से हुई थी। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया कि शादी के बाद से ही पत्नी का व्यवहार उसके और परिवार के प्रति ठीक नहीं रहा और आए दिन विवाद होता था।

बुखार से पीड़ित 80 वर्षीय वृद्धा के घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, जांच के बाद दी दवाइयां

- सीएमओ डॉ. हरिनंदन प्रसाद के निर्देश पर प्लाष्ट डकोर की टीम ने करमेर में पहुंचकर की जांच
- वृद्ध महिला के स्वास्थ्य पर स्वास्थ्य विभाग की नजर, कल सुबह फिर होगी जांच
- घर पर ही स्वास्थ्य परीक्षण कर उपलब्ध कराई गई आवश्यक दवाइयां
- करमेर में 80 वर्षीय वृद्धा के घर पहुंची स्वास्थ्य टीम, बुखार का किया उपचार

(यंग भारत न्यूज) जालौन। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. हरिनंदन प्रसाद, जालौन के निर्देशानुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) डकोर के चिकित्सा अधीक्षक के निर्देशन



में स्वास्थ्य टीम ने करमेर ग्राम पंचायत पहुंचकर 80 वर्षीय वृद्ध महिला के स्वास्थ्य की जांच की। वृद्ध महिला बुखार से पीड़ित थी। स्वास्थ्य टीम ने उसके घर पहुंचकर आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया और जांच के उपरांत चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दवाइयां उपलब्ध कराईं।

स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए घर-घर जाकर जांच और उपचार की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में करमेर ग्राम पंचायत में स्वास्थ्य टीम द्वारा वृद्ध महिला के घर पहुंचकर जांच करने और दवाइयां उपलब्ध कराने की कार्रवाई की गई। परिजनों ने स्वास्थ्य टीम के घर पहुंचने और तत्काल जांच के बाद दवाइयां उपलब्ध कराने पर राहत महसूस की। विभाग ने लोगों से अपील की है कि बुखार या अन्य बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर लापरवाही न बरतें और समय से चिकित्सकीय परामर्श लें।

पूर्व पालिकाध्यक्ष राधेश्याम दीक्षित इटहिया की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन किये अर्पित

(यंग भारत न्यूज) जालौन-उरई। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राधेश्याम इटहिया की 15वीं पुण्यतिथि उनके निज निवास पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान मौजूद लोगों ने उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके संघर्षशील जीवन और जनहित में किए गए कार्यों को याद किया। कामरेड कमलाकांत वर्मा ने कहा कि पूर्व पालिकाध्यक्ष राधेश्याम दीक्षित इटहिया ने नगर के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया और जनहित से जुड़े कई आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई। नगर की समस्याओं और आम लोगों की आवाज को बुलंद करने के लिए उन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी अपने कदम पीछे नहीं खींचे। वसीउर्रहमान सिद्दीकी ने कहा कि राधेश्याम इटहिया का पूरा जीवन जनता के लिए समर्पित रहा। उन्होंने हमेशा आम



लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता देते हुए उनके हक की लड़ाई लड़ी। मोहम्मद अकरम ने कहा कि राधेश्याम इटहिया ने अपना पूरा जीवन जनता के हितों और नगर की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करते हुए बिताया। लोगों को उनके विचारों से सीख लेने की जरूरत है। इस मौके पर प्रद्युम्न दीक्षित इटहिया, वसीम

हक, अवनीश दीक्षित, विवेक श्रीवास्तव, रामकिशोर द्विवेदी, ललित्या महाराज, ओमनारायण शर्मा, चंद्रशेखर वर्मा, कपिल तिवारी, अवधेश सोनी, अजमेरी राईन, छविराम यादव, मोहम्मद अकरम, मोहम्मद मुकीम, रविकांत गोस्वामी, तुलसीराम कुशवाहा, शैलेंद्र गुप्ता, आदि रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला शवगृह में रखवाया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला आजादपुरा वर्णा जैन इंटर कॉलेज के पीछे निवासी महेश झा पुत्र किशोरीलाल झा सोमवार 31 अगस्त की रात करीब 11 बजे अपनी मोटरसाइकिल संख्या यू.पी. 94 एन 7806 से विरधा की ओर से ललितपुर आ रहे थे। इसी दौरान घटवार स्थित इंडियन पेट्रोल पंप के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक अज्ञात वाहन के चालक ने वाहन को तेज गति एवं लापरवाही से चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महेश झा गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में मोटरसाइकिल की बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर जिला शवगृह में रखवाया। मृतक के चाचा मोहल्ला आजादपुरा निवासी फूलचन्द्र झा पुत्र दीनेप्रसाद झा की तहरीर पर थाना कोतवाली पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106, 281 एवं 324(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

युवती से छेड़खानी व मारपीट का आरोप, युवक पर मुकदमा दर्ज

ललितपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले में एक युवती से छेड़खानी, अभद्रता और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना एक सितंबर 2026 की रात करीब नौ बजे की बताई गई है। युवती का आरोप है कि वह अपने मोहल्ले में थी। इसी दौरान मोहल्ले के रहने वाले ऋषि साहू पुत्र रामस्वरूप साहू ने कथित रूप से उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि युवक ने उसके साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की और मारपीट की। युवती ने तहरीर में बुरी नीयत से छेड़खानी करने का भी आरोप लगाया है। शोर मचाने पर उसके पिता सहित आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देखकर आरोपी कथित रूप से जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चला गया। युवती ने पुलिस को दी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि आरोपी पूर्व से ही उस पर बुरी नीयत रखता है और उसके घर के आसपास घूमता रहता है। साथ ही पुलिस में अपने भाई होने का रौब दिखाकर धमकी देने और गुंडागर्दी करने का भी आरोप लगाया गया है। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 126(2), 351(3), 352 और 74 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

दुकान के विवाद में दुकानदार से मारपीट का प्रयास

ललितपुर। थाना बार क्षेत्र के कस्बा बार में दुकान को लेकर चल रहे विवाद के बीच एक दुकानदार से गाली-गलौज और मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पिता और उसके दो बेटों समेत तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कस्बा बार निवासी गौरव गुप्ता पुत्र स्व. विनोद गुप्ता 27 अगस्त 2026 की रात करीब नौ बजे अपनी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान उनकी दुकान चलाने वाले सुरेश कुमार उर्फ झुनझुन सेठ पुत्र स्व.सेवामा गुप्ता कथित रूप से गाली-गलौज करने लगे। गौरव गुप्ता का आरोप है कि जब उन्होंने दुकान से बाहर आकर गाली-गलौज करने से मना किया तो सुरेश कुमार और उनके दोनों बेटे आशेष गुप्ता व सोनू गुप्ता कथित रूप से लाठी-डंडे लेकर उनके साथ मारपीट करने के लिए दौड़े। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

